



भारत का राजपत्र The Gazette of India

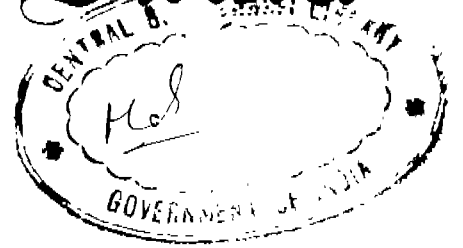
असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 138]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 29, 2001/ज्येष्ठ 8, 1923

No. 138]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 29, 2001/JYAISTHA 8, 1923

वाणिज्य एवं न्याय मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 मई, 2001

अंतिम जांच परिणाम

विषय : रूस, चीन और ईरान से फैरो सिलिकॉन के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच

फा. सं. 28/1/2000-डीजीएबी.— 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. प्रक्रिया

1. प्रारंभिक निष्कर्षों के बाद नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

(क) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है) ने रूस, चीन और ईरान से फैरो सिलिकॉन के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच के बारे में दिनांक 16/11/2000 की अधिसूचना द्वारा प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया था तथा हितबद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन

की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था;

(ख) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी थी जिनसे पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर उक्त निष्कर्षों के बारे में अपने विचार, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था;

(ग) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को अपने विचार मौखिक रूप से 13/12/2001 को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया था। इसके अलावा, मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज करने का अनुरोध किया गया था। पार्टियों से प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां लेने और उसका खंडन, कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। मौखिक सुनवाई में केवल याचिकाकर्ता उपस्थित हुए थे।

(घ) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों एवं दिए गए तर्कों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल निरीक्षण हेतु उपलब्ध कार्रवाई थी;

(ङ) याचिकाकर्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा दिए गए तर्कों पर प्रारंभिक निष्कर्षों और/अथवा इन निष्कर्षों में उचित कार्रवाई की गयी है।

(च) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार, इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष प्रकट किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत् विचार किया गया है;

(छ) इस अधिसूचना में * * * * से हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना प्रदर्शित होती है और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी ने उसे गोपनीय ही माना है।

(ख) विचाराधीन उत्पाद

2. फ़ैरो सिलिकोन लोहा एवं सिलिकोन का एक मिश्रण है जिसमें अपद्रव्य के रूप में कैल्शियम, एल्यूमिनियम, कार्बन, सल्फर और फास्फोरस होते हैं। फ़ैरो सिलिकोन में प्रमुख हिस्सा सिलिकोन का होता है। आमतौर पर फ़ैरो सिलिकोन के आकार का वर्णन इस उत्पाद के बाह्य व्यास के मिलीमीटर में किया जाता है।

फ़ैरो सिलिकोन का इस्तेमाल मुख्यतः इस्पात और अलाय इस्पात के उत्पादन में एक डिआक्सीडाइजर के रूप में किया जाता है। फ़ैरो सिलिकोन का इस्तेमाल पावर रेक्टिफायर और वेल्डिंग इलैक्ट्रोड्स के विनिर्माण में भी किया जाता है। फ़ैरो सिलिकोन के विभिन्न प्रयोक्ताओं का निम्नानुसार उल्लेख किया जा सकता है:-

- इस्पात के उत्पादन में डिआक्सीडाइजर
- इस्पात के लिए एक मिश्रण तत्व
- इलैक्ट्रिकल ग्रेड की स्टील बनाने में
- एण्टी कोरोसिव और एसिड प्रतिरोधक इस्पात के उत्पादन में
- पावर रेक्टिफायर के विनिर्माण में
- वेल्डिंग इलैक्ट्रोड्स के विनिर्माण में
- ग्रेफाइटिजिंग एजेंट के रूप में लोहा ढालने में प्रयोग किया जाता है।

फ़ैरो सिलिकोन का वर्गीकरण सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 72 के सीमाशुल्क उप शीर्ष सं. 7202.21 और 7202.2100 के तहत किया जाता है।

प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के संबंध में प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं ।

समान वस्तुएं

3. फ़ैरो सिलिकोन लोहा और सिलिकोन का एक मिश्रण है जिसमें अपद्रव्य के रूप में एल्यूमिनियम, कार्बन, सल्फर और फास्फोरस होते हैं । तथापि, फ़ैरो सिलिकोन के उत्पादन की प्रक्रिया, उपकरण अथवा प्रौद्योगिकी के हिसाब से कोई अंतर नहीं है । फ़ैरो सिलिकोन का इस्तेमाल मुख्यतः इस्पात और अलाय इस्पात के उत्पादन में एक डिऑक्सीडाइजर के रूप में किया जाता है । फ़ैरो सिलिकोन का इस्तेमाल पावर रैक्टी फायर और वेल्डिंग इलेक्ट्रोड्स के विनिर्माण में भी किया जाता है । यह प्रमाणित करने के लिए कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित फ़ैरो सिलिकोन रूस और चीन से निर्यातित फ़ैरो सिलिकोन के समान वस्तु है, प्राधिकारी द्वारा तकनीकी विनिर्देशन, विनिर्माण प्रक्रिया, कार्य एवं प्रयोग तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं पर विचार किया गया है ।

कुछेक हितबद्ध पक्षों ने आयातित फ़ैरो सिलिकोन और याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित फ़ैरो सिलिकोन के बीच गुणवत्ता संबंधी भिन्नताओं पर जोर दिया है । उन्होंने यह भी कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय रूप से फ़ैरो सिलिकोन का सामान्यतः सर्वाधिक प्रयुक्त ग्रेड 75 % एस आई ग्रेड है । फ़ैरो सिलिकोन के भारतीय उत्पाद का 70 - 75 % एस आई के बीच के सिलिकोन का उत्पादन करते हैं । इस प्रकार उनके द्वारा उल्लिखित कीमत भी एस आई 70 - 75 ग्रेड के लिए ही है । भारत में मुख्य रूप से जिस सामग्री का आयात किया जा रहा है वह लोवर 70 - 75 % फ़ैरो सिलिकोन ग्रेड है । तथापि, प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि मूलभूत विनिर्माण प्रक्रिया, उत्पाद का अनुप्रयोग और समग्र उपयोग एक समान है । इनमें पारस्परिक प्रयोज्यता की काफी गुंजाइश है और परिणामस्वरूप आयातित उत्पाद और याचिकाकर्ता द्वारा विनिर्मित उत्पाद जो इस जांच का विषय है, के बीच प्रतिस्पर्द्धा है । हितबद्ध पक्षों ने कहा है कि फ़ैरो सिलिकोन के सभी ग्रेडों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाय लेकिन इसे लम्प्स के रूप में अर्थात् 10 एम एम और उससे अधिक

के लम्प्स पर लगाया जाए न कि चिप्स और पाउडर पर । याचिकाकर्ताओं ने स्पष्ट किया है कि विनिर्माण की प्रक्रिया लगभग धातु रहित है और समय-समय पर भट्टी से केवल अलाय निकाला जाता है । उसके बाद इस उत्पाद को ग्राहक की जरूरत के अनुसार आकार देने हेतु ढाला एवं ठंडा किया जाता है । अतः उत्पाद की भौतिक भिन्नताएं क्रेता की जरूरत पर निर्भर होती है ।

विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त विचार

फैरो सिलिकोन का वर्गीकरण सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 7202.2100 और 7202.2900 के तहत किया जाता है । विचाराधीन उत्पाद "फैरो सिलिकोन" है भले ही उसमें सिलिकोन तत्व कुछ भी हो । प्रारंभिक निष्कर्षों में प्राधिकारी ने शुल्क केवल एक उप वर्गीकरण तक सीमित कर दिया है । तथापि, जैसा कि पहले स्पष्ट किया गया है फैरो सिलिकोन का आयात भले ही सिलिकोन तत्व कुछ भी हो, दोनों उप-वर्गीकरणों में किया जा रहा है। किसी भी स्थिति में वर्तमान जांच का दायरा सिलिकोन तत्व के संदर्भ तक सीमित नहीं है । सिलिकोन तत्व का मुद्रा निर्यात कीमत की तुलना सामान्य मूल्य के साथ और नुकसान रहित कीमत की तुलना आयातों की पहुँच कीमत के साथ करने के मुद्दे के लिए प्रासंगिक है । तथापि, तुलना के तरीके का तात्पर्य शुल्कों के दायरे पर किसी प्रतिबंध से नहीं लगाया जा सकता है । वर्तमान स्थिति से शुल्कों की धोखाधड़ी की जा सकती है । कृपया इस उत्पाद पर अंतिम शुल्क की सिफारिश सीमाशुल्क वर्गीकरण पर विचार किए बिना की जाए ।

भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित फैरो सिलिकोन की तुलना संबद्ध वस्तु के भौतिक एवं रासायनिक गुणों, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में संबद्ध देशों से आयातित वस्तु से की जा सकती है । ये दोनों वस्तुएं तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं ।

प्राधिकारी के विचार

अतः प्राधिकारी यह पाते हैं कि यह खण्डित करने के लिए कोई तर्क नहीं है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित फैंरो सिलिकोन की विशेषताएं आयातित सामग्री से काफी मिलती-जुलती हैं और यह संबद्ध देशों से आयातित फैंरो सिलिकोन से वाणिज्यिक एवं तकनीकी दोनों तरह से प्रतिस्थापनीय है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित फैंरो सिलिकोन नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर रूस और चीन से निर्यातित उत्पाद के समान वस्तु माना गया है।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी समान वस्तुओं से संबंधित प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

(घ) घरेलू उद्योग

4. यह याचिका मैसर्स इंडियन मेटल्स एण्ड फैंरो अलायज लि०, भुवनेश्वर, मैसर्स नवभारत फैंरो अलायज लि०, हैदराबाद और मैसर्स वी बी सी फैंरो अलायज, हैदराबाद ने दायर की है जिसमें रूस, चीन और ईरानी मूल के अथवा वहां से निर्यातित फैंरो सिलिकोन के पाटन किए जाने का आरोप लगाया गया है। लोहा एवं इस्पात विकास आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार, समर्थकों को छोड़कर, याचिकाकर्ताओं का हिस्सा कुल भारतीय उत्पादन का 80.35 % बनता है।

प्रशासनिक मंत्रालय के सूचना के अनुसार भारत में फ़ैरो सिलिकोन के पंद्रह उत्पादक हैं जिनमें से तीन ने यह याचिका दायर की है । चौथे उत्पादक अर्थात् मै0 इंडसिल इलैक्ट्रोस्मेल्ट्स लि0, कोयम्बतूर ने इस याचिका का समर्थन किया है ।

मी. टन में उत्पादन

उत्पादक	1996-97	1997-98	1998-99	पीओआई
याचिकाकर्ता				
आईएमएफए	28273	22679	22043	13379
वीबीसी	10406	11476	6162	7748
नव भारत	29 82	8038	1373	---
कुल	41661	42193	29578	
याचिकाकर्ता से भिन्न उत्पादक				
आलोक फ़ैरो अलायस लि0	-	-	686	--
नव क्रोम लि0	162	324	324	---
इस्पात अलायस लि0	8880	-	-	-
जीएमआर वास्वी इंडस्ट्रज लि.	146	33	-	5
इंडसिल इलैक्ट्रोस्मेल्ट्स लि0	2864	1532	3149	18
द सिलकल मेटालर्जिक लि0	4449	3462	5040	5005
द त्रावणकोर इल्ट्रो कैम	-	57	506	- -
संदूर मैंगनीज एंड आयरन माटर्स	8102	10993	5227	--
विस्वेसवर्या आइरन एंड स्टील कॉ.लि.	7557	7986	2319	---
यूनिवर्सल फ़ैरो अलायज कैम	-	4008	4008	---
मै0 अन्जनी फ़ैरो अलायज लि.	-	-	-	50
मै0 श्याम फ़ैरो अलायज लि0	-	-	-	86
श्री गुरु कृपा	ज्ञात नहीं	ज्ञात नहीं	115	113
कुल भारतीय उत्पादन	73821	70582	50837	26291

जैसाकि उपरोक्त आंकड़ों से देखा जा सकता है समर्थनकर्ताओं को छोड़कर याचिकाकर्ताओं का हिस्सा कुल भारतीय उत्पादन का 80.35% बनता है। यदि इंडसिल के उत्पादन को भी शामिल कर लिया जाए तो याचिकाकर्ताओं का हिस्सा फ़ैरो सिलिकोन के भारतीय उत्पादन का 80.42% बनेगा। अतः याचिकाकर्ता समर्थन के साथ अथवा उसके बगैर वर्तमान याचिका दायर करने की स्थिति में है और नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग हैं।

भारतीय फ़ैरो अलायज उत्पादक संघ द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार 1996-97 से 1999-2000 के दौरान फ़ैरो सिलिकोन का उत्पादन (मी. टन) नीचे दी गई तालिका के अनुसार हुआ था।

कुल	1996-97	1997-98	1998-99	1999-2000
सदस्य				
आईएमएफए	28,036	23,722	21,619	26,731
वीबीसी	10,557	12,202	10,410	10,809
एनबीएफए	2,984	8,414	1,379	--
अन्य	19,999	22,404	13,854	5746
गैर-सदस्य	17,000	13,000	12,000	13,000
कुल	78,576	79,742	59,262	56,286

उपरोक्त तालिका के अनुसार, समर्थकों को छोड़कर, याचिकाकर्ताओं का हिस्सा कुल भारतीय उत्पादन का 66.69% बनता है।

अतः प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता "घरेलू उद्योग" हैं और वे नियमों के तहत वर्तमान याचिका दायर करने की अपेक्षित स्थिति में है।

प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा ज-7 में दी गई घरेलू उद्योग की कथित स्थिति की पुष्टि करते हैं।

ड. पाटन:-**(क) सामान्य मूल्य****पाटन के संबंध में घरेलू उद्योग के विचार**

संबद्ध देशों के किसी भी निर्यातक ने निर्धारित प्रपत्र में सूचना उपलब्ध नहीं करवाई है ।
 ईरानी उत्पादनकर्ताओं द्वारा दायर उत्तर भी प्रश्नावली में दिए जाने वाले उत्तर के स्वरूप में दिया गया प्रतीत नहीं होता है । अतः निर्यातकों ने वर्तमान जांचों में असहयोग को तरजीह दी है । अतः प्राधिकारी द्वारा सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार कार्रवाई करना पूर्णतः न्यायोचित है ।

प्राधिकारी के विचार:-

प्राधिकारी यह पाते हैं कि संबद्ध देशों के निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है और उन्होंने सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत, तथा पाटन मार्जिन से संबंधित सूचना उपलब्ध नहीं करवाई है । अतः प्राधिकारी सभी निर्यातकों को असहयोगी मानते हैं और उन्होंने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार कार्रवाई की है ।

संबद्ध देशों के संबंधित निर्यातकों से प्राप्त सूचना के अभाव में प्राधिकारी को रूस और चीन में संबद्ध वस्तु की परिकलित लागत का निर्धारण करने के लिए मजबूर होना पड़ा है और उन्होंने सरकारी आंकड़ों में यथा उपलब्ध नामित देशों से निर्यात कीमत का निर्धारण किया है ।

इसलिए, रूस में सामान्य मूल्य जाँच अवधि के दौरान 1 अमरीकी डालर = 43.35 रुपए की औसत विनिमय दर से *** अमरीकी डालर प्रति मी. टन अथवा *** रुपए/मी. टन माना गया है ।

चीन में सामान्य मूल्य जाँच अवधि के दौरान 1 अमरीकी डालर = 43.35 रुपए की औसत विनिमय दर से *** अमरीकी डालर प्रति मी. टन अथवा *** रुपए/मी. टन माना गया है ।

(ख) निर्यात कीमतरूस

प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार सीआईएफ कीमत *** रूपए/मी. टन निर्धारित की गई है। *** अमरीकी डालर/मी.टन समुद्री भाड़े के रूप में ***% समुद्री बीमा प्रभारों के रूप में, रूस में एजेंट के लिए *** % की दर से कमीशन, भारतीय अनुभव के अनुसार प्रत्तन हैंडलिंग एवं पत्तन प्रभारों के लिए एफओबी मूल्य का *** % तथा रूस में उत्पादकों द्वारा संभावित समुद्री पत्तनों तक *** % की दर से परिवहन लागत को हिसाब में लेने के बाद कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। तथापि, याचिकाकर्ताओं द्वारा किए गए दावे के अनुसार भारतीय इंडेंटिंग एजेंट के लिए *** % की दर से कमीशन की अनुमति दस्तावेजी साक्ष्य के अभाव में प्राधिकारी द्वारा प्रदान नहीं की गई है। इन कारकों के संबंध में समायोजनों के पश्चात, 43.35 रूपए = 1 अमरीकी डालर की औसत विनिमय दर पर कारखाना द्वार पर एफओबी निर्यात कीमत *** रूपए/मी.टन अथवा *** अमरीकी डालर/मी.टन आंकी गई है।

चीन

प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार सीआईएफ का कीमत *** रूपए/मी.टन निर्धारण की गयी है। *** अमरीकी डालर/मी.टन समुद्री भाड़े के रूप में ***% समुद्री बीमा प्रभारों के रूप में, ~~चीन~~ में एजेंट के लिए *** % की दर से कमीशन, भारतीय अनुभव के अनुसार प्रत्तन हैंडलिंग एवं पत्तन प्रभारों के लिए एफओबी मूल्य का *** % तथा ~~चीन~~ में उत्पादकों द्वारा संभावित समुद्री पत्तनों तक *** % की दर से परिवहन लागत को हिसाब में लेने के बाद कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। तथापि, याचिकाकर्ताओं द्वारा किए गए दावे के अनुसार भारतीय इंडेंटिंग एजेंट के लिए *** % की दर से कमीशन की अनुमति दस्तावेजी साक्ष्य के अभाव में प्राधिकारी द्वारा प्रदान नहीं की गई है। इन कारकों के संबंध में समायोजनों के पश्चात, 43.35 रूपए = 1 अमरीकी डालर की औसत विनिमय दर पर कारखाना द्वार पर एफओबी निर्यात कीमत *** रूपए/मी.टन अथवा *** अमरीकी डालर/मी.टन आंकी गई है।

(ग) पाटन मार्जिन(i) रूस

*** अमरीकी डालर/मी.टन के परिकलित सामान्य मूल्य और *** अमरीकी डालर/मी.टन की कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत पर विचार करते हुए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन *** अमरीकी डालर/मी.टन (जो कि निर्यात कीमत का 56.9% है) बैठता है ।

(ii) चीन

*** अमरीकी डालर/मी.टन के परिकलित सामान्य मूल्य और *** अमरीकी डालर/मी.टन की कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत पर विचार करते हुए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन *** अमरीकी डालर/मी.टन (जो कि निर्यात कीमत का 43.3% है) बैठता है ।

च. क्षति

भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमों के अनुबंध-II (iv) के अनुसार ऐसे कारकों पर विचार किया है जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हैं जैसेकि उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन इत्यादि । प्रारंभिक निष्कर्षों में दिए गए उल्लेख के अनुसार इनके ब्यौरे नीचे पुनः प्रस्तुत किए गए हैं-

(क) आयातों की मात्रा

डीजीसीआईएस के अनुसार, मात्रा (मी0टन में)

देश	1996-97	1997-98	1998-99	जांच की अवधि
रूस	1074.7	2949.8	2514.8	4003.78
चीन	220.7	2209	80.29	2675
इरान	--	142.8	--	280
संबद्ध देश	1295.5	5301.8	2595.18	6958.78

अन्य स्रोत	9931	6429.96	1779.58	5858.5
कुल आयात	11226.5	11731.8	4374.7	12817.3

(संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर सीमाशुल्क वर्गीकरण सं. 7202.2100 के अंतर्गत विचार किया गया है)

फैरो सिलिकोन के कुल आयातों में वर्ष 1996-97 की तुलना में 1997-98 में 4.5% तथा 97-98 में 98-99 में 168% तक की वृद्धि हुई है। 1998-99 के आयात स्तर की तुलना में जांच अवधि में फैरो सिलिकोन के कुल आयातों में हुई वृद्धि 192.9% की थी। अतः जांच अवधि के दौरान आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

हालाँकि 1998-99 की तुलना में जांच अवधि (अप्रैल-दिसम्बर, 2000) में रूस से हुए आयातों की मात्रा में 59.20% तक की वृद्धि हुई है, तथापि 1998-99 की तुलना में जांच अवधि में चीन से हुए आयातों की मात्रा में 3231% तक की वृद्धि हुई है। 1997-98 की तुलना में जांच अवधि (अप्रैल-दिसम्बर, 2000) में इरान से हुए आयातों की मात्रा में 96% तक की वृद्धि हुई है।

1996-97, 1997-98, 1998-99 तथा जांच अवधि में कुल आयातों में रूस का हिस्सा क्रमशः 9.5%, 25.14%, 57.48% तथा 31.23% था। 1996-97, 1997-98, 1998-99 तथा जांच अवधि में कुल आयातों में चीन का हिस्सा क्रमशः 1.96%, 18.83%, 1.83% तथा 20.8% था। कुल आयातों में इरान का हिस्सा क्रमशः 1996-97 में शून्य, 1997-98 में 1.2%, 1998-99 में शून्य तथा जांच अवधि में 2.18% था। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इरान से संबद्ध वस्तु के हुए आयात जांच अवधि के दौरान फैरो सिलिकोन के हुए कुल आयातों की मात्रा के केवल 2.18% बनते हैं और इसलिए, वे न्यूनतम सीमा से कम हैं। अतः इरान से हुए आयातों को इस जांच के दायरे से बाहर रखा जाता है।

(ख) उत्पादन एवं क्षमता उपयोग

याचिकाकर्ताओं की उत्पादन क्षमता, वास्तविक उत्पादन तथा क्षमता उपयोग निम्नानुसार था:-

याचिकाकर्ता	वर्ष	स्थापित क्षमता (मी. टन)	उत्पादन (मी. टन)	उत्पादन क्षमता (%)
	1997-98			
आईएमएफए		45000	25130	55.8
वीबीसी		12000	12254 (अपना-8214 जाब वर्क-***) निवल उत्पादक	93.4
नव भारत		कोई सूचना नहीं	8414	--
कुल		57000	36486	64
	1998-99			
आईएमएफए		45000	22319	49.59
वीबीसी		10000	10473 (अपना-8214 जाब वर्क-***)	82.14
नवभारत		कोई सूचना नहीं	1374	--
कुल		55000	30533	55.5
	पीओआई(अप्रैल- दिसम्बर, 99)			
आईएमएफए		45000	19031	42
वीबीसी		10000	कुल उत्पादन 8373 (अपना-***, माना गया निर्यात-***,) जाब वर्क-*** जाब वर्क को छोड़कर निवल उत्पादन-7735)	77.35
नव भारत		--	--	--
कुल		55000	26766	48.66

यह देखा गया है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में

गिरावट आई है ।

(ग) बिक्री और बाजार हिस्सा

जैसाकि भारतीय फेरो एलॉय उत्पादक संघ (आईएफएपीए) ने सूचित किया है उनके पास उपलब्ध

सूचना के आधार पर घरेलू बाजार में फेरो सिलिकॉन की अनुमानित बिक्री (मी० टन में) निम्नानुसार

है:

घरेलू बिक्री	1996-97	97-98	98-99	99-2000	
सदस्य	54,987	57,918	42,891	41,605	
गैर-सदस्य	17,000	13,000	12,000	13,000	
(अनुमानित)					
भारतीय उत्पादकों	71,987	70,918	54,891	54,605	
की कुल बिक्री					
(अनुमानित)					

याचिकाकर्ताओं द्वारा की गई बिक्रियों की मात्रा निम्नानुसार थी:-

याचिकाकर्ता	1996-97	97-98	98-99	99-2000
आईएमएफए	29964	22445	24984	21095
वीबीसी	10990	9623	10193	6141
नव भारत	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उत्पादन नहीं हुआ

कुल	40954	32068	35177	27236
-----	-------	-------	-------	-------

उपर्युक्त से यह देखा जा सकता है कि फेरी सिलिकॉन की मांग वर्ष 96-97, 97-98, 98-99 और 99-2000 (दिसम्बर 99 तक) क्रमशः लगभग 83213मी० टन, 82649 मी० टन, 59265 मी० टन और 67422 मी० टन थी। जांच अवधि के लिए वार्षिक आधार पर मांग 89896मी० टन है। कुल मांग में आयातों का हिस्सा वर्ष 96-97, 97-98, 98-99 और 99-2000 (दिसम्बर, 99 तक) क्रमशः 13.49%, 16.54%, 7.38% और 19 % था। घरेलू उद्योग का हिस्सा वर्ष 1996-97, 97-98, 98-99 और 99-2000 (दिसम्बर, 99 तक) क्रमशः 49.2 %, 38.8 %, 59.35% और 40.39 % था।

(घ) अंतिम स्टॉक

याचिकाकर्ताओं का अंतिम स्टॉक नीचे दी गई तालिका के अनुसार था:

अंतिम स्टॉक (मी० टन)	97-98	98-99	99-2000 (जांच अवधि)
आईएमएफए	6323	3658	1594
नव भारत	1408	561	207 (99-00 के लिए)
वीबीसी	2370	223	1817
कुल	10101	4442	3618 (वार्षिक आधार पर 4824मी० टन)

(ड.) कीमत में कटौती और कीमतों में कमी

आयातित सामग्री की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग के क्षतिरहित कीमत से कम है ।

डीजीसीआईएस के मासिक आयात आंकड़े जांच अवधि के लिए चीन से आयात कीमतों की प्रति इकाई दर (सीआईएफ) में 9.25रु0 प्रति किग्रा0 से 60.8रु0 प्रति किग्रा0 तक का एक अंतर दर्शाते हैं। असामान्य सौदों की अनदेखी करने के बाद चीन से पहुंच मूल्य लगभग 32170रु0 प्रति मी0 टन है।

रुस से पहुंच मूल्य (मई, 99 में एक असामान्य सौदे को छोड़ने के बाद) 29,251 रु0 प्रति मी0 टन है ।

रु0 प्रति मी0 टन

वर्ष	घरेलू उद्योग की बिक्री वसूली (भारित औसत)	आयातों का पहुंच मूल्य	
		रुस	चीन
1997-98	***	28970	30630
1998-99	***	29270	59520
1999-2000	***	29251	32170

(च) लाभप्रदता:

घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमत को अपनी उत्पादन-लागत से कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा जिसके परिणामस्वरूप बहुत वित्तीय घाटा हुआ है । घरेलू उद्योग को हुई क्षति घरेलू बाजारों में बिक्रियों से उद्योग को हुए प्रति इकाई लाभ/हानि से स्पष्ट है, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है:-

रु०/किग्रा०	97-98	98-99	99-2000(जांच अवधि)
आईएमएफए			
उत्पादन लागत	***	***	***
बिक्री कीमत	***	***	***
लाभ/हानि	***	(***)	(***)
वीबीसी			
उत्पादन लागत	***	***	***
बिक्री कीमत	***	***	***
लाभ/हानि	***	***	(***)
नव भारत			
उत्पादन लागत	***	***	कोई उत्पादक नहीं
बिक्री कीमत	उपलब्ध नहीं कराया गया	उपलब्ध नहीं कराया गया	कोई उत्पादक नहीं
लाभ/हानि	उपलब्ध नहीं कराया गया	उपलब्ध नहीं कराया गया	कोई उत्पादक नहीं

(छ) उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी अनन्तिम निष्कर्षों के पैरा के 15 पर दिए गए क्षति संबंधी

निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं और यह दुहराते हैं कि:

(क) संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में समग्र रूप से वृद्धि हुई है ।

- (ख) याचिकाकर्ताओं के बाजार हिस्से में गिरावट आई है जबकि आयात के हिस्से में वृद्धि हुई है।
- (ग) याचिकाकर्ताओं के क्षमता उपयोग में कमी आई है।
- (घ) याचिकाकर्ता अपनी क्षति रहित कीमतों से कम कीमतों पर बेचने के लिए बाध्य हुए हैं जिसके परिणामस्वरूप उन्हें हानि हुई है।
- (ङ.) आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कमी आई है।
- (च) घरेलू उद्योग के पास पर्याप्त अन्तिम स्टॉक पड़ा हुआ है।

इसलिए प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

6. कारणात्मक संबंध

प्राधिकारी नोट करते हैं चूंकि फेरो सिलिकॉन उद्योग एक विद्युत आधारित उद्योग है इसलिए मै0 नव भारत सहित फेरो सिलिकॉन में उत्पादन करने वाले बहुत से एककों को या तो उत्पादन रोकने के लिए या उद्योग को बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि पाटित कीमतों पर फेरो सिलिकॉन के बढ़े हुए आयातों की मौजूदगी के कारण विनिर्माण में आई उच्च उत्पादन लागत को उपभोक्ताओं पर नहीं डाला जा सका। यद्यपि मांग में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं आया है जिसमें मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन बहुत से एककों के बंद होने के परिणामस्वरूप कुल भारतीय घरेलू उत्पादन वर्ष 1996-97, 97-98 और 98-99 में क्रमशः 73821 मी0 टन, 70582मी0 टन और 50837मी0 टन से घटकर जॉच अवधि में 2640मी0 टन हो गया। तथापि याचिकाकर्ताओं के पास बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए अपेक्षित क्षमता है। मांग में पाटित आयातों का हिस्सा वर्ष 96-97, 97-98 और 98-99 में क्रमशः 13.49 %, 16.54 %, 7.38 % था जो 99-2000 में

(दिसम्बर, 99 तक) बढ़ कर 19 % हो गया। घरेलू उद्योग को ऐसे प्रतिकूल हालातों में अपने बाजार हिस्से को बनाए रखने के प्रयास में घाटे पर बिक्री करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

रूस और चीन भारत को फेरो सिलिकॉन के प्रमुख निर्यातक हैं और उक्त देशों से आयातों की मात्रा में जांच अवधि में और उससे पहले भारी वृद्धि हुई है। जैसाकि पहले ही उल्लेख किया गया है। कुल आयातों में रूस का हिस्सा वर्ष 1996-97, 1997-98, और जांच अवधि में क्रमशः 9.5 %, 25.14 %, 57.48 % और 31.23 % था। कुल आयातों में चीन का हिस्सा वर्ष 1996-97, 1997-98, 1998-99 और जांच अवधि में क्रमशः 1.96 %, 18.83 %, 1.83 % और 20.8 % था। निर्यात कीमतों में कमी से पहुंच मूल्य में कमी आई जिससे याचिकाकर्त्ताओं की बिक्री वसूली में कमी आई। रूस और चीन से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि के परिणामस्वरूप याचिकाकर्त्ता के बाजार हिस्से में गिरावट आई। घरेलू उद्योग को पाटित आयात कीमतों की बराबरी करने के अपने प्रयास में अपनी क्षति रहित कीमत से कम कीमत पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा जिससे अन्ततः घरेलू उद्योग क्षति रहित कीमत वसूलने में असमर्थ रहा। इसलिए प्राधिकारी का मानना है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई थी।

7. लगाया गया पाटनरोधी शुल्क:

प्राधिकारी ने फेरो सिलिकॉन के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का ध्यानपूर्वक मूल्यांकन किया है और पाटन मार्जिन के समतुल्य या उससे कम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की है, जिसे अगर लागू किया जाता है तो घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त हो जाएगी। इस प्रयोजन से प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षति रहित बिक्री कीमत की तुलना संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच

मूल्य से की है । जहां कहीं मार्जिन पाटन मार्जिन से कम पाया गया , वहां प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन से कम शुल्क की सिफारिश की है ।

8. अन्तिम निष्कर्ष

उपर्युक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि:

(क) रुस और चीन मूल के या वहां से निर्यातित फेरोसिलिकॉन का भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ ;

(ख) घरेलू उद्योग को क्षति हुई है ।

(ग) क्षति संबद्ध देशों से आयातों के कारण हुई है ।

9. प्राधिकारी सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 72 के अंतर्गत आने वाले रुस और चीन मूल के या वहां से निर्यातित फेरोसिलिकॉन के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं । उक्त पाटनरोधी शुल्क कालम 3 में दर्शायी गई राशि और आयातों की पहुंच कीमत के अन्तर के बराबर होगा ।

देश	उत्पादक/निर्यातक का नाम	राशि
1	2	3 (अमरीकी डालर/मी0 टन)
रुस	सभी उत्पादक/निर्यातक	764
चीन	सभी उत्पादक/निर्यातक	764

10. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा निर्धारित निर्धारणीय मूल्य होगा जिसमें सीमाशुल्क अधिनियम 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के सीमाशुल्क शामिल होंगे ।
11. उपरोक्त के अधीन प्राधिकारी दिनांक 16 नवम्बर, 2000 के प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं ।
12. इस आदेश के विरुद्ध अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसरण में सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण में की जा सकती है ।

एल. बी. सप्तगृपि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th May, 2001

FINAL FINDINGS

Subject: Anti-Dumping investigations concerning import of Ferro Silicon from Russia, China and Iran.

F. No. 28/1/2000-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof:

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed subsequent to the preliminary findings:
 - (a) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified Preliminary Findings vide notification dated 16/11/2000 with regard to anti-dumping investigations concerning imports of Ferro Silicon from Russia, China and Iran and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
 - (b) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the said findings within forty days from the date of the letter;
 - (c) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 13/2/2001. All parties presenting views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rejoinders, if any. Only the petitioners were present at the oral hearing.
 - (d) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted and arguments made by various interested parties;
 - (e) The arguments raised by the petitioners and other interested parties have been appropriately dealt with in the preliminary findings and/or these findings;
 - (f) In accordance with Rule 16 supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same, have been duly considered in these findings;

- (g) *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

2. Ferro Silicon is an alloy of iron and silicon containing calcium, aluminum, carbon, sulphur and phosphorous as impurities. Silicon constitutes the major proportion in Ferro Silicon. The size of Ferro Silicon is generally described in terms of millimeter of the outer dia of the product.

Ferro Silicon is primarily used as a deoxidiser in the production of steel and alloy steels. Ferro Silicon is also used in the manufacturing of power rectifiers and welding electrodes. The various users of Ferro Silicon can be described as under:

- Deoxidiser in the production of steel,
- As an alloying element for steel,
- In the making of electrical grade steel,
- In the production of anti-corrosive and acid resistant steel,
- In the manufacturing of power rectifiers,
- In the manufacturing of welding electrodes,
- It is added to cast iron as graphitising agent,

Ferro Silicon is classified under Customs sub-heading Nos. 7202.21 and 7202.2100 of Chapter 72 of the Customs Tariff Act, 1975.

The Authority confirms the preliminary findings on product under consideration.

C. LIKE ARTICLES

3. Ferro Silicon is an alloy of iron and silicon containing calcium, aluminum, carbon, sulphur and phosphorous as impurities. There is however no significant difference in terms of process, equipment or technology for the production of Ferro Silicon. Ferro Silicon is primarily used as a deoxidiser in the production of steel and alloy steels. Ferro Silicon is also used in the manufacturing of power rectifiers and welding electrodes. In order to establish that Ferro Silicon produced by the domestic industry is a Like Article to that exported from Russia and China, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, functions and uses and tariff classification have been considered by the Authority.

Some interested parties have stressed on the quality differences between the imported Ferro Silicon and that manufactured by the petitioner. They have also stated that the most commonly used grade of FeSi internationally is the 75% Si grade. The Indian producers of Ferro Silicon produce Silicon ranging between 70-75% Si and thus the price quoted by them are also for Si 70-75% grade. The material that is mainly being imported into India is the lower 70-75% grade FeSi. However, the Authority notes that the basic

manufacturing process, applications and overall use of the product are similar. There is a high degree of interchangeability and consequently of competition between the imported product and that manufactured by the petitioner being the subject matter of this investigation. Interested parties have stated that anti-dumping duty may be levied on all grades of Ferro Silicon but in the forms of lumps i.e. 10 mm and above but not on chips and powder. The petitioners have clarified that the process of manufacture is almost slagless and only alloy is tapped out from the furnace at intervals. The product is then casted and cooled for sizing as per the customers' requirements. Physical differences in the product are therefore dependent on buyers requirements.

Views expressed by the Domestic Industry on Product under Consideration and Like Article:

Ferro Silicon is classified under customs subheading no. 7202.2100 and 7202.2900 of the Customs Tariff Act. The product under consideration is "Ferro Silicon" regardless of silicon content. In the preliminary findings, the Designated Authority has restricted the duty to only one sub-classification. However, as brought out earlier, Ferro Silicon regardless of its silicon content is being imported in both the sub-classifications. In any event, the scope of the present investigations is not restricted with reference to the Silicon content. The issue of Silicon content is relevant only to the issue of comparison of normal value with export price and non-injurious price with the landed price of imports. However, the manner of comparison can not imply any restriction on the scope of the duties. The present situation may lead to circumvention of duties. The final duties may please be recommended on the product regardless of customs classification.

Ferro Silicon produced by the Indian Industry is comparable to the goods imported from the subject countries in terms of characteristic such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the subject goods. The two are technically and commercially substitutable.

Authority's Position:-

The Authority therefore finds that there is no argument disputing that Ferro Silicon produced by the domestic industry has characteristics closely resembling the imported material and is substitutable by Ferro Silicon imported from the subject country both commercially and technically. Ferro Silicon produced by the domestic industry has been treated as Like Article to the product exported from Russia and China, within the meaning of Rule 2(d).

In view of the above, the Authority confirms the preliminary findings on Like Articles.

D. DOMESTIC INDUSTRY:-

4. The petition has been filed by M/s. Indian Metals and Ferro Alloys Ltd., Bhubaneswar, M/s Nava Bharat Ferro Alloys Ltd., Hyderabad and M/S VBC Ferro Alloys Ltd., Hyderabad alleging dumping of Ferro Silicon originating in or exported from Russia, China and Iran. As per the information furnished by the O/o Development

Commissioner Iron & Steel, the petitioners excluding the supporters represent 80.35% of the total Indian production.

As per the information of the Administrative Ministry, there are fifteen producers of Ferro Silicon in India, three of whom have filed this petition. A fourth producer namely M/s Indsil Electrosmelts Ltd., Coimbatore has supported this petition.

Production in MT

Producers	1996-97	1997-98	1998-99	POI
Petitioners				
IMFA	28273	22679	22043	13379
VBC	10406	11476	6162	7748
Nava Bharat	2982	8038	1373	---
Total	41661	42193	29578	
Other than Petitioners				
Alok Ferro Alloys Ltd.	-	-	686	---
Nav Chrome Ltd.	162	324	324	---
Ispat Alloys Ltd.	8880	-	-	---
GMR Vasavi Industries Ltd.	146	33	-	5
Indsil Electrosmelts Ltd.	2864	1532	3149	18
The Silcal Metallurgic Ltd.	4449	3462	5040	5005
The Travancore Electro Chem	-	57	506	---
Sandur Maganese & Iron Ores	8102	10993	5227	---
Visvesvarya Iron & Steel Co. Ltd.	7557	7986	2319	---
Universal Ferro Alloys Chem	-	4008	4008	---
M/s Anjaney Ferro Alloys Ltd.				50
M/s Shyam Ferro alloys Ltd.				86
Shree Guru Kripa	Not known	Not known	115	113
Total Indian Production	73821	70582	50837	26291

As can be seen from the table above, the Petitioners, excluding the supporters represent 80.35% of the total Indian production. If the production of Indsil is also included, the petitioners would represent 80.42% of Indian production of Ferro Silicon. Therefore, the petitioners with or without support satisfy the standing to file the present petition and constitute the domestic industry under the Rules.

As per information furnished by The Indian Ferro Alloys Producers Association, the production of Ferro Silicon (MT) during 1996-97 to 1999-2000 was as given in the Table below:-

Year	1996-97	97-98	98-99	99-2000
Members				
IMFA	28,036	23,722	21,619	26,731
VBC	10,557	12,202	10,410	10,809
NBFA	2,984	8,414	1,379	---

Others	19,999	22,404	13,854	5746
Non-Members	17,000	13,000	12,000	13,000
Total	78,576	79,742	59,262	56,286

From the above table, the Petitioners, excluding the supporters represent 66.69% of the total Indian production.

The Authority notes therefore that the petitioners constitute “domestic industry” and have the required standing to file the present petition under the Rules.

The Authority confirms the stated position on domestic industry as given at para 6, 7 of the preliminary findings.

E. DUMPING:-

(A) Normal Value

Domestic Industry's Views on Dumping:-

None of the exporters from the subject countries have provided information in the form & manner prescribed. The response filed by the Iranian producers also appears to be without questionnaire response. The exporters have thus preferred non-cooperation in the present investigations. The Authority is therefore fully justified in proceeding with the best information available.

Authority's Position:-

The Authority observes that the exporters from the subject countries have not responded to the questionnaire in the prescribed format and have not furnished information relating to normal value, export price, and dumping margin. The Authority therefore considers all exporters to be non-cooperative and has proceeded on best available information.

In the absence of information from the concerned exporters from the subject countries, the Authority has been constrained to determine the constructed cost of the subject goods in Russia and China and has determined export price from the named countries as available in official data.

The normal value in Russia is therefore considered to be USD ***/MT or Rs ***/MT at an average exchange rate during POI of 1USD=Rs 43.35.

The normal value in China is considered to be USD ***/MT or Rs ***/MT at an average exchange rate during POI of 1USD=Rs 43.35.

(B) Export Price

Russia

The cif price as per the information available with the Authority is determined at Rs ***/MT. The ex-factory export price has been determined after taking USD ***/Mt as ocean freight, ***% as marine insurance charges, commission @***% for the agent in

Russia, ***% of fob value for port handling and port charges as per the Indian experience and transportation costs @ ***% likely to be incurred by the producers in Russia to their sea ports. However, commission @***% for the Indian indenting agent as claimed by the petitioners is not allowed by the Authority for want of documentary evidence. After adjustments on these accounts the ex- factory fob export price is estimated to be Rs ***/MT or USD ***/MT at an average exchange rate of Rs 43.35=1USD.

China

The cif price as per the information available with the Authority is determined at Rs ***/MT. The ex-factory export price has been determined after taking USD ***/MT as ocean freight, ***% as marine insurance charges, commission @***% for the agent in China, ***% of fob value for port handling and port charges as per the Indian experience and transportation costs @ ***% likely to be incurred by the producers in China to their sea ports. However, commission @***% for the Indian indenting agent as claimed by the petitioners is not allowed by the Authority for want of documentary evidence. After adjustments on these accounts the ex- factory fob export price is estimated to be Rs ***/MT or USD ***/MT at an average exchange rate of Rs 43.35=1USD.

© Dumping margin

(i) Russia

Considering the constructed normal value at USD ***/MT and the ex-works export price at USD ***/MT, the dumping margin determined by the Authority comes to USD ***/MT (which is 56.9% of export price).

(ii) China

Considering the constructed normal value at USD ***/MT and the ex-works export price at USD ***/MT, the dumping margin determined by the Authority comes to USD ***/MT (which is 43.3% of export price).

F. INJURY:-

For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, quantum of sales, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra, the details of which as brought out in the Preliminary Findings are reproduced below:-

(a) Quantum of Imports

As per DGCIS Quantity (MT)

Country	1996-97	1997-98	1998-99	POI
Russia	1074.7	2949.8	2514.8	4003.78
China	220.7	2209	80.29	2675
Iran	---	142.8	---	280
Sub.countries	1295.5	5301.8	2595.18	6958.78

Other Sources	9931	6429.96	1779.58	5858.5
Total imports	11226.5	11731.8	4374.7	12817.3

(Imports of the the subject goods have been considered under custom classification no. 7202.2100).

The total imports of Ferro Silicon increased by 4.5% in 97-98 over that of 96-97 and by 168% in 98-99 over 97-98. The increase in the total imports of Ferro Silicon was 192.9% in the POI over the level of 1998-99. Thus the quantum of imports have gone up significantly during the period of investigation.

While the quantum of imports from Russia have gone up by 59.20% in the POI (Apr-Dec'2000) over 1998-99, the quantum of imports from China have gone up by 3231% in the POI over that of 1998-99. The quantum of imports from Iran have gone up by 96% in the POI (Apr-Dec'2000) over 1997-98.

The share of Russia in total imports was 9.5%, 25.14%, 57.48% and 31.23% in 1996-97, 1997-98, 1998-99 and the POI, respectively. The share of China in total imports was 1.96%, 18.83%, 1.83% and 20.8% in 1996-97, 1997-98, 1998-99 and the POI, respectively. The share of Iran in total imports was nil in 1996-97, 1.2% in 1997-98, nil in 1998-99 and 2.18% in the POI, respectively. The Authority notes that the imports of the subject goods from Iran constitute only 2.18% of the total quantum of imports of Ferro Silicon during the period of investigation and are hence de-minimis. Imports from Iran are therefore excluded from the scope of these investigations.

(b) **Production and Capacity Utilisation**

The production capacity, actual production and capacity utilisation of the petitioners was as follows: -

Petitioners	Year	Installed Capacity (MT)	Production (MT)	Capacity Utilisation %
	1997-98			
IMFA		45000	25130	55.8
VBC		12000	12254 (Own- 11209 Job work-*** exp-*** net prod-11209	93.4
Nava Bharat		No information	8414	---
Total		57000	36486	64
	1998-99			
IMFA		45000	22319	49.59
VBC		10000	10473 (Own -- 8214 Job work- ***)	82.14
Nava Bharat		No information	1374	---
Total		55000	30533	55.5

	POI (Apr Dec'99)			
IMFA		45000	19031	42
VBC		10000	Total prod. 8373 (Own- ***; deemed export - ***; job work- *** net prod excl. job work 7735)	77.35
Nava Bharat		---	---	---
Total		55000	26766	48.66

It is seen that production and capacity utilisation of domestic industry has declined in the period of investigation.

(c) **Sales and Market Share**

As reported by the Indian Ferro Alloy Producers' Association (IFAPA), the estimated sales (MT) of Ferro Silicon in the domestic market based on information available with them is as follows:-

Domestic Sales	1996-97	97-98	98-99	99-2000
Members	54,987	57,918	42,891	41,605
Non-members (Estimated)	17,000	13,000	12,000	13,000
Total Sales of India Producers (Estimated)	71,987	70,918	54,891	54,605

The quantum of sales made by the petitioners were as follows:-

Petitioners	1996-97	97-98	98-99	99-2000
IMFA	29964	22445	24984	21095
VBC	10990	9623	10193	6141
Nava Bharat	Not available	Not available	Not available	Not produced
Total	40954	32068	35177	27236

It is observed from the above that the demand of Ferro Silicon was approximately 83213 MT, 82649 MT, 59265 Mt and 67422 Mt in 96-97, 97-98, 98-99 and 99-2000 (upto Dec.'99) respectively. The annualized demand for the POI is 89896 MT. The share of imports in total demand was 13.49%, 16.54%, 7.38% and 19% in 96-97, 97-98, 98-99 and 99-2000 (upto Dec. 99) respectively. The share of the domestic industry was 49.2%, 38.8%, 59.35% and 40.39% in 96,97, 97-98, 98-99 and 99-2000 (upto Dec.99) respectively.

(d) **Closing Stocks**

The closing stocks of the petitioners were as given in the table below:-

Closing Stocks (MT)	97-98	98-99	99-2000 (POI)
------------------------	-------	-------	------------------

IMFA	6323	3658	1594
Nava Bharat	1408	561	207 (for 99-00)
VBC	2370	223	1817
Total	10101	4442	3618 (annualised 4824MT).

(e) **Price undercutting and price depression**

The landed prices of the imported material are below the non-injurious price of the domestic industry. The DGCIS month-wise import data for the period of investigation shows a variation from Rs 9.25/kg to Rs 60.8/kg in the per unit rate of import prices (cif) from China. After ignoring the abnormal transactions the landed value from China is around Rs 32170/MT. The landed value from Russia (after excluding an abnormal transaction in May'99) is Rs 29,251/MT.

Rs/MT

Year	Sales Realisation of Dom. (Wt.ave)	Landed Price of Imports	
		Russia	China
1997-98	***	28970	30630
1998-99	***	29270	59520
1999-2000	***	29251	32170

(f) **Profitability:-**

The domestic industry has been forced to reduce its selling prices below its cost of production, resulting in substantial financial losses. The injury to the domestic industry is evident from the per unit profit/loss made by the industry from sales in the domestic markets, as shown below:-

Rs/kg	97-98	98-99	99-2000 (POI)
IMFA			
COP	***	***	***
Selling Price	***	***	***
P/L	***	(***)	(***)
VBC			
COP	***	***	***
Selling Price	***	***	***
P/L	***	***	(***)
Nava Bharat			
COP	***	***	No production
Selling Price	Not made available	Not made available	No production
P/L	Not made available	Not made available	No production

G. CONCLUSION ON INJURY

5. In view of the foregoing the Authority confirms the conclusions on injury at Para K.15 of the Provisional Findings and reiterates that:-

- (a) the quantum of imports from the subject countries have increased in absolute terms;

- (b) the market share of the petitioners have gone down while that of imports has increased;
- (c) the capacity utilisation of the petitioners have gone down ;
- (d) the petitioners have been forced to sell at prices below their non-injurious price resulting in losses;
- (e) imports are undercutting the prices of the domestic industry;
- (f) the domestic industry is left with substantial closing stocks.

The Authority therefore concludes that the domestic industry has suffered material injury.

6. Causal Link

The Authority notes that as the Ferro Silicon industry is power intensive many units producing Ferro Silicon including M/s Nava Bharat were forced to either suspend production or shut down as in the presence of increased imports of Ferro Silicon at dumped prices, the high cost of production incurred in manufacture could not be passed down to the consumers. Although there has been no significant change in demand which has increased marginally, total Indian domestic production declined from 73821Mt, 70582Mt, and 50837Mt in 1996-97, 97-98, and 98-99 to 26404MT in the POI respectively, as a result of the closure of many units. The petitioners nevertheless, have the requisite capacity to meet increased demand. Dumped imports increased its share in demand from 13.49%, 16.54%, and 7.38% in 96-97, 97-98, 98-99 to 19% in 99-2000 (upto Dec. 99) respectively. The domestic industry in an attempt to retain its share of the market in such unfavourable conditions was forced to sell at losses.

Russia and China are major exporters of Ferro Silicon to India and there has been a tremendous increase in import volumes from the said countries prior to and in the period of investigation. As already noted, the share of Russia in total imports was 9.5%, 25.14%, 57.48% and 31.23% in 1996-97, 1997-98, 1998-99 and the POI, respectively. The share of China in total imports was 1.96%, 18.83%, 1.83% and 20.8% in 1996-97, 1997-98, 1998-99 and the POI, respectively. The reduction in the export price resulted in low landed price followed by reduction in sales realisation of the petitioners. The increase in the market share of imports from Russia and China resulted in the decline in the market share of the petitioner. The domestic industry in its attempts to match the dumped import prices was forced to sell below its non-injurious price which resultantly, the domestic industry was unable to recover. The Authority therefore holds that the material injury to the domestic industry was caused by the dumped imports from the subject countries.

7. Anti-Dumping duty imposed:-

The Authority has carefully evaluated the injury caused to the domestic industry on account of dumping of Ferro Silicon and has recommended the amount of anti-dumping duty equivalent to the dumping margin or less, which if levied, would remove injury to the domestic industry. For this purpose, the Authority has compared the non-injurious selling price of the domestic industry with the landed value of imports from the subject countries. Wherever the margin is found to be less than the dumping margin, the Authority has recommended duty lower than the dumping margin.

8. FINAL FINDINGS:-

The Authority after considering the foregoing, concludes that:

- (a) Ferro Silicon originating in or exported from Russia and China has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
- (b) the domestic industry has suffered injury;
- (c) injury has been caused by imports from the subject countries.

9. The Authority recommends imposition of definitive Anti-dumping duty on all imports of Ferro Silicon originating in or exported from Russia and China falling under Chapter 72 of the Customs Tariff Act. The anti-dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in Col.3. and the landed value of imports.

<u>Country</u>	<u>Name of the producer/exporter</u>	<u>Amount</u>
<u>1.</u>	<u>2.</u>	<u>3. (USD/MT)</u>
Russia	All producers/exporters	764
China	All producers/exporters	764

10. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

11. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 16th November, 2000.

12. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act, supra.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority